



المملكة العربية السعودية  
وزارة الشؤون الإسلامية والأوقاف والدعوة والإرشاد  
الجمعية الخيرية لتحفيظ القرآن الكريم بمحافظة الزلفي  
الشؤون التعليمية / برنامج الارتقاء



منهجية مراجعة مرتقى: (النمل)

اسم الطالبة:

المعلمة:

الحلقة:

عزيزتي الطالبة:

١- هذه المنهجية وضعت لتعينك على مراجعة مرتقى: (النمل)؛ حتى تكوني جاهزة للاختبار .

٢- تنفذ هذه المنهجية لمدة شهر، ويمكن اختصارها بأقل من ذلك حسب قدرتك بمراجعة مقرر يومين أو أكثر في يوم بشرط ألا تزيد عن شهر.

٣- يتم قراءة المقرر من كل مراجعة كاملاً ثم تحسب الأخطاء وتوضع التقديرات على النحو التالي:

ممتازة (٨) . جيدة جداً : (١٢) . جيدة: (١٦) . أكثر من (١٦) تعيد المراجعة.

| بداية المراجعة |                        | اليوم       | التاريخ  | ١٤٣ هـ / /    |                       |
|----------------|------------------------|-------------|----------|---------------|-----------------------|
| م              | مراجعة                 | عدد الأخطاء | التقدير  | توقيع المعلمة | توقيع ولي أمر الطالبة |
| ١              | الناس - الأعلى         |             |          |               |                       |
| ٢              | الطارق - الإنسان       |             |          |               |                       |
| ٣              | القيامة - الحاقة       |             |          |               |                       |
| ٤              | القلم - الجمعة         |             |          |               |                       |
| ٥              | الصف - الحديد ١٥       |             |          |               |                       |
| ٦              | الحديد ١٦ - النجم      |             |          |               |                       |
| ٧              | الطور - الفتح ١٥       |             |          |               |                       |
| ٨              | الفتح ١٦ - الأحقاف     |             |          |               |                       |
| ٩              | الجاثية - الزخرف       |             |          |               |                       |
| ١٠             | الشورى - غافر ١٦       |             |          |               |                       |
| ١١             | غافر ١٦ - الزمر - ٤٠   |             |          |               |                       |
| ١٢             | الزمر ٤١ - ص ٤٢        |             |          |               |                       |
| ١٣             | ص ٤٣ - الصافات         |             |          |               |                       |
| ١٤             | يس - فاطر ١٨           |             |          |               |                       |
| ١٥             | فاطر ١٩ - سبأ ٣١       |             |          |               |                       |
| ١٦             | سبأ ٣٢ - الأحزاب ٣٥    |             |          |               |                       |
| ١٧             | الأحزاب ٣٦ - السجدة    |             |          |               |                       |
| ١٨             | لقمان - الروم ٣٠       |             |          |               |                       |
| ١٩             | الروم ٣١ - العنكبوت ٣٨ |             |          |               |                       |
| ٢٠             | العنكبوت ٣٩ - القصص ٣٥ |             |          |               |                       |
| ٢١             | القصص ٣٦ - النمل ٢٢    |             |          |               |                       |
| ٢٢             | النمل ٢٣ - آخرها       |             |          |               |                       |
| نهاية المراجعة |                        | اليوم       | التاريخ  | ١٤٣ هـ / /    |                       |
| مديرة الدار:   |                        | توقيعها:    | التاريخ: | ١٤٣ هـ / /    |                       |